समनुदेशन (Assignment) हेतु प्रश्न

एम. ए. संस्कृत,चतुर्थ सत्र

गद्य, पद्य तथा चम्पू काव्य (MSKTC 404) **कुल अंक 20**

निर्देश - इस पत्र में तीन समनुदेशन दिए गए हैं। प्रत्येक समनुदेशन में चार प्रश्न हैं। प्रत्येक समनुदेशन (Assignment) से दो प्रश्नलगभग 1000-1500 शब्दों में अपेक्षित हैं। हस्तलिखित समनुदेशन दूरवर्ती एवं ऑनलाईन शिक्षा केन्द्र को सम्प्रेषित करे।

समनुदेशन(Assignment)1 **अंक 07** **(3.5X2)**

प्र. 1 महाकवि सुबन्धु का व्यक्तितत्व एवं कर्तृत्व पर प्रकाश डालिए ।

प्र. 2 महाकवि सुबन्धु की काव्य-शैली की विवेचना कीजिए ।

प्र. 3 सुबन्धु की वासवदत्ता से उद्धृत निम्नलिखित में से किसी एक गद्य की व्याख्या सप्रसंग कीजिए-

1- व्याकरणेनेव सरक्तपादेन----------मदालसां वासवदत्तां ददर्श ।

2- असारे संसारे केन किं नाम ----------समरशिरसि सत्यमुत्ससर्ज ।

प्र. 4 वासवदत्ता की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए ।

समनुदेशन(Assignment)2 **अंक 07** **(3.5X2)**

प्र. 1 दण्डी का परिचय देते हुए उनकी काव्य-शैली की समीक्षा कीजिए ।

प्र. 2 दशकुमारचरित के सप्तम उच्छ्वास में वर्णित निम्नलिखित में से किसी एक की व्याख्या कीजिए-

1- आर्य केन कारणेनैनं----------रक्ततरा हि नस्तत्रमसख्यश्चेटयश्च ।

2- येन यानि न ज्ञायन्ते----------शक्य शक्तेरियत्ताज्ञानम् ।

प्र. 3 महाकवि माघ के व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व पर प्रकाश डालिए ।

प्र. 4 शिशुपालवध की कथावस्तु का समीक्षात्मक विवेचन कीजिए ।

समनुदेशन (Assignment)3 **अंक 06** **(3X2)**

प्र. 1 महाकवि माघ के काव्य-सौष्ठव पर प्रकाश डालिए ।

प्र. 2 शिशुपालवध महाकाव्य के प्रथम सर्ग के निम्नलिखित पद्यों में से किन्ही दो की सरलार्थ सहित व्याख्या कीजिए –1, 4, 19, 32, 51, 63 ।

प्र. 3 अनन्तभट्ट का परिचय देते हुए उनकी काव्यशैली की विवेचना कीजिए ।

प्र. 4 चम्पू भारत के प्रथम सर्ग में वर्णित निम्नलिखित में से किन्हीं दो पद्यों की व्याख्या कीजिए-
8, 26, 39, 42, 55, 64 ।

दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केन्द्र
हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला-5

स्नातकोत्तर संस्कृत चतुर्थ सत्र

सत्र.....

समनुदेशन विषय .....

पाठ्यक्रम कोड .....

समनुदेशन संख्या .....

प्रस्तुतकर्त्ता

नाम .....

पञ्जीकरण संख्या .....

अनुक्रमांक.....

स्थाई पता.....

.....

.....

ई-मेल.....

मोबाइल नं. .....

दिनांक .....

हस्ताक्षर .....